

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—इपखण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 130)

नई विहली, सोम शर अप्रैल 25, 1977/वैशाल 5, 1899

No. 130]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 25, 1977/VAISAKHA 5, 1899

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सब्दें।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Food)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th April 1977

- G.S.R. 192(E).—In exercise of the powers conferred by section 44 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Food Corporations Rules, 1965, namely:—
- 1 (1) These rules may be called the Food Corporation (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Food Corporations Rules, 1965, after sub-rule (1) of rule 3, the following provisos shall be inserted, namely:—

"Provided that if an officer of the Government is appointed on deputation as Chairman, the term of office in his case shall not extend beyond the age of superannuation of fifty-eight years:

Provided further that nothing contained in the foregoing proviso shall affect the term of office of a person who has been holding the post of Chairman immediately before the commencement of the Food Corporations (Amendment) Rules, 1977."

[No. F. 4-16/75 Fc-L]

L. C. GUPTA, Jt. Secy.

कृषि और सिचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 25 श्रप्रैल, 1977

सा० का० नि० 192(म्न).—केन्द्रीय सर ार, खाद्य निगम स्रिधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 44 द्वारा प्रदक्ष शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खाद्य निगम नियम, 1965 में स्रौर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

- 1. (1) इन नियमो का मंक्षिप्त नाम खाद्य निगम (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपत्र भे प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।
- 2. खाद्य निगम नियम, 1965 में, नियम 3 के उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक श्रन्त स्थापित किए जाएंगे, श्रर्थात् '——

"परन्तु यदि सरकार का कोई श्रधिकारी प्रतिनियुक्ति पर श्रध्यक्ष नियुक्त किया जाता है तो उसके मामले में पदावधि श्रट्ठावन वर्ष की श्रधिवर्षिता की श्रायु मे श्रागे नही बढ़ाई जाएगी:

परन्तु यह और कि पूर्ववर्ती परन्तुक में श्रन्तिविष्ट किसी बात का ऐसे व्यक्ति की पदावधि पर कोई प्रभाव नहीं होगा जो खाद्य निगम (सशोधन) नियम, 1977 के प्रारम्भ होने के तुरन्त पूर्व श्रध्यक्ष का पद धारण करता रहा है।"

> [स॰ फा॰ 4-16/75-ख ०नि॰-I] एल॰ सी॰ गुप्त, सयुक्त सचिव।